हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए अभिनव भारत संगठन देश में तख्ता पलट करना चाहता था

मुसलमानों को एकजुट कर हिंदुओं में डर बैठाना चाहते थे मालेगांव ब्लास्ट के आरोपी

श्याम मीरा सिंह

26 जनवरी 2008 का दिन एक तरफ पूरा देश गणतंत्र दिवस सेलिब्रेट कर रहा था तो दूसरी तरफ हरियाणा के फरीदाबाद शहर में कुछ लोग एक सीक्रेट मीटिंग कर रहे थे इस मीटिंग में इंडियन ऑर्मी का एक अफसर खड़े होकर बोलता है इस संविधान का पालन करने से हमें कोई हेल्प नहीं मिलेगी, हमें अपने देश के लिए इस संविधान से लड़ना होगा, ये हमारा देश नहीं है, ये सरकार हमारी नहीं है, हमें ये देश वापस लेना होगा। अपनी स्वतंत्रता के लिए एक युद्ध लड़ना होगा, हमें विदेश में एक सेंट्रल हिंदू गवर्नमेंट बनानी पड़ेगी। इस आदमी का नाम था कर्नल श्रीकांत पुराहित, जो होने को आर्मी में एक बड़ा अफसर था, जिसके संगठन का नाम था अभिनव भारत, जिसकी चाहत थी आर्मी में रहते हुए भारत सरकार का तख्ता पलट कर कब्जा करने की और अंत में भारत को एक लोकतांत्रिक देश की जगह हिंदू राष्ट्र करने की। कर्नल पुरोहित आर्मी में इस तरह का अकेला आदमी नहीं था उसने अपने जैसे और भी अफसरों से बातें कीं अपनी विचारधारा के और भी लोग इकट्ठे किए, विदेश में निर्वासित सरकार बनाने और उसका दफ्तर खोलने के लिए उसने इजराइल से बातें कीं। उसने चेकोस्लोवाकिया से हथियार खरीदने के लिए नेपाल के राजा से सीक्रेट मीटिंग की ताकि बम ब्लास्ट करके भारत से मुसलमानों को भगाया जा सके अल्पसंख्यकों को भगाया जा सके।

इस सीक्रेट मीटिंग का राज़ खुला मालेगांव बम ब्लास्ट की जांच के दौरान। साल 2008 में हुए मालेगांव बम ब्लास्ट की जांच कर रहे आईपीएस हेमंत करकरे को अभिनव भारत के आरोपी कार्यकर्ताओं से तीन लैपटॉप मिले। जिनमें से एक लैपटॉप में ऐसी ही मीटिंग्स की करीब 40 ऑडियो और वीडियोज थीं जिनके अंदर थीं इनकी बातचीत, जिस बातचीत ने पूरे देश को चौंका दिया। पहला सवाल उठता है कि आखिर क्या था इन ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग्स के अंदर? इजराइल और नेपाल जैसे देशों के साथ मिलकर कौन सी साजिश रची जा रही थी? ये किस प्रकार के हिंदू राष्ट्र की रचना करना चाहते थे और उसे किस तरह से हासिल करना चाहते थे?

इजराइल की तरह हिंदूओं का एक अलग राष्ट्र प्राप्त करने के लिए ये लोग क्या तरीका अपनाना चाहते थे? इन लोगों का आरएसएस, विश्वहिंदू परिषद, भाजपा और बजरंगदल से क्या नाता था। साल 2014 में केंद्र में मोदी सरकार आने के बाद इनका क्या हुआ, इनके अरेस्ट के बाद ये कहां गए इन तमाम सवालों का जवाब हम ढूंढने की कोशिश करेंगे।

साल 2008 में मालेगांव बम विस्फोट के बाद इस मामले की जांच कर रहे महाराष्ट्र एंटी टेररिज्म स्क्वाड (एटीएस) के हेड हेमंत करकरे को तीन लैपटॉप मिले। इन्हीं में एक लैपटॉप था शंकराचार्य दयानंद पांडेय उर्फ सुधाकर धर द्विवेदी का। उन दिनों लैपटॉप और कैमरे का नया चलन था तो शंकराचार्य सुधाकर द्विवेदी की आदत थी कि वह हर चीज रिकॉर्ड करते थे, उनकी यही आदत अभिनव भारत के कार्यकर्ताओं को भारी पड़ी। शंकराचार्य सुधाकर धर द्विवेदी भी कर्नल पुरोहित की तरह अभिनव भारत का हिस्सा थे। 26 जनवरी 2008 को फरीदाबाद में हुई सीक्रेट मीटिंग में वह भी शामिल थे जिसमें भारत के संविधान के विरुद्ध युद्ध छेड़ने की एक साजिश रची जा रही थी। महाराष्ट्र एटीएस ने इन मीटिंग्स की ट्रांस्क्रिप्ट करवाईं यानी इन ऑडियो वीडियो की बातें शब्दों में लिखवाईं और मालेगांव ब्लास्ट मामले की जांच के साथ कोर्ट में इसे पेश किया।

इन टांस्क्रिप्ट के मुताबिक 26 जनवरी 2008 में फरीदाबाद में हुई इस सीक्रेट मीटिंग में कर्नल पुरोहित के अलावा कर्नल आदित्य बप्पादित्य धर, रिटायर्ड मेजर रमेश उपाध्याय, भाजपा सांसद रहे बीएल प्रसाद शर्मा, कश्मीर की शारदा पीठ के शंकराचार्य दयानंद पांडे उर्फ सुधाकर द्विवेदी और अपोलो अस्पताल के बड़े डॉक्टीर आर पी सिंह और सुधाकर चतुर्वेदी जो अभिनव भारत संगठन का एक फुल टाइम वर्कर था, ये लोग इस मीटिंग में शामिल थे। अभिनव भारत के कार्यकर्ता आरएसएस और भाजपा से ही आए हुए थे कोई बजरंग दल से तो कोई भाजपा से आया था, क्योंकि ये लोग भाजपा और आरएसएस के काम से संतुष्ट नहीं थे, उन्हें लगता था कि भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए और अधिक आक्रामक होना होगा, कुछ बम धमाके करने पड़ेंगे।

फरीदाबाद की इस सीक्रेट मीटिंग में सबसे पहले कर्नल पुरोहित कहता है कि हमें विदेश में ही सेंट्रल हिंदू गवर्नमेंट बनानी पड़ेगी। मेरे पास हथियारों की कोई कमी नहीं है जब चाहूं, तब चाहूं, जितने हथियार खरीदना चाहूं खरीद सकता हूं। बीते दिनों हमने दो सफल मिशन किए, मैने इजराइल से कॉंटेक्ट किया हमारे एक कैप्टन वहां गए और लौट कर आए हैं हमें काफी पॉजिटिव रिस्पांस मिला है। उन्होंने हमसे कहा है कि हम ग्राउंड पर कुछ करके दिखाएं, इस समय तक तो हमारी एक वेबसाइट तक भी नहीं बनी है, हमने उन्हें केवल कागजों पर दिखाया है। उन्होंने हमे रिप्लाई दिया है कि हम छह महीने का इंतजार करें।

कर्नल पुरोहित ने आगे बताया कि हमने उनसे चार चीजों की डिमांड की है, पहली हथियारों और ट्रेनिंग की लगातार सप्लाई करें, दूसरी तेल अबीब मे हमारे भगवा झंडे के साथ ऑफिस खोलने दें, तीसरी राजनीतिक शरण दें और चौथी यूएन में हमारे नए हिंदू राष्ट्र देश को सपोर्ट करें। वे हमारी दो मांगों को मान गए हैं एक राजनीतिक शरण कभी भी दे देंगे और हथियार व ट्रेनिंग तब से मिलना शुरू हो जाएगी जब हम ग्राउंड पर कुछ करके दिखाएंगे। लेकिन उन्होंने कहा है कि वे तेल अबीब में हमारे राष्ट्र के झंडे को अलाऊ नहीं करेंगे क्योंकि उनके भारत के साथ संबंध सुधर रहे हैं। हमें अनुमति देने से उनके भारत से संबंध खराब हो जाएंगे, दूसरा अगले दो साल तक इंटरनेशनल फोरम यानी यूएन में हमारी सपोर्ट नहीं करेंगे जब तक कि हमारा मूवमेंट थोड़ा आगे नहीं बढ़ जाता।

अभिनव भारत संगठन की स्थापना करने वाला कर्नल पुरोहित

कर्नल पुरोहित कहते हैं कि मैं आपको बताना चाहता हूं कि नेपाल के राजा किंग ज्ञानेंद्र से भी हमारी 25 जून 2006 को मीटिंग फिक्स हुई थी वैसे टेक्निकली यह मीटिंग 13 फरवरी को फोन पर होना फिक्स हुई थी, हमारे कर्नल प्रज्जवल हैं जिन्हें खुफिया विभाग में ब्रिगेडियर नियुक्त किया गया है, हमने इस मीटिंग को फिक्स करने में काफी मेहनत की। मैने कुछ मांगें रखीं जिन्हें उन्होंने मान लिया जिसमें हर छह महीने पर हमारे बीस लोग ऑफिसर की तरह ट्रेनिंग लेंगे और बाकी लोग सिपाही की तरह ट्रेनिंग लेंगे। इस तरह इस साल में करीब चार सौ लोग होंगे, मैनें उनसे कहा कि एक स्वतंत्र देश होने के नाते उनको चेकोस्लोवाकिया देश से एके 47 खरीदनी चाहिए लेकिन इसके लिए पैसे हम देंगे, इस बात को भी किंग ने स्वीकार कर लिया। यह बताना जरूरी है कि जिस संगठन अभिनव भारत की यह मीटिंग हो रही थी उस अभिनव भारत को साल 2006 और 2007 में आर्मी में काम कर रहे कर्नल श्रीकांत पुरोहित ने ही तैयार किया था। वे जहां-जहां पोस्टेड होते थे वहां-वहां अपने इस संगठन के लिए अपनी चरमपंथी विचारधारा वाले लोगों को रिक्रूट कर रहे थे। इसी तरह कर्नल पुरोहित ने रिटायर्ड कर्नल रमेश उपाध्याय को भी अपने गुट में मिला लिया, जब वे नासिक में पोस्टेड थे। फरीदाबाद मीटिंग में कर्नल पुरोहित और रमेश उपाध्याय ही नहीं थे जो आर्मी से जुड़े थे, बल्कि एक और बड़ा आर्मी अधिकारी भी था। इस आदमी को सदस्यों से परिचित कराते हुए कर्नल पुरोहित ने कहा कि मैं आपको कर्नल आदित्यधर से परिचित कराना चाहता हूं ये पैराशूट रेजीमेंट में हैं, फिलहाल ये मेरे ही साथ पंचमढ़ी में पोस्टेड हैं।

दरअसल कर्नल पुरोहित कुछ ऐसा करना चाहता था जिससे मुस्लिम-ईसाई और कम्युनिस्ट एकजुट हो जाएं और उनके अगेंस्ट हो जाएं। कर्नल पुरोहित इस मीटिंग में कहता है कि जब तक हम उनका एक खतरे की तरह विरोध नहीं करेंगे वे एकजुट नहीं होंगे, जिस दिन सभी मुस्लिम एक हो जाएं उस दिन हमारी जीत होगी, जैसे महाराष्ट्रियन मुस्लिम कहते हैं कि कश्मीरी मुस्लिम हमारे नहीं। प्लान यह है कि इन सब पर हमला किया जाए और दिल्ली में जामा मस्जिद के इमाम बुखारी को अपनी पूरी कम्युनिटी के लिए खड़ा कर दिया जाए, उन्हें एक साथ युनाइटेड किया जाए, हम मुस्लिमों, ईसाइयों और कम्युनिस्टों को हमारे अगेंस्ट एक साथ करने के लिए काम कर रहे हैं।

लेकिन कर्नल पुरोहित सभी मुस्लिमों को एक साथ क्यों करना चाहते थे, वे क्यों चाहते थे कि पूरे देश के सभी मुस्लिम एक इमाम के अंडर में आ जाएं, उसकी लीडरशिप मानें। इसका जवाब अभिनव भारत और इन सीक्रेट मीटिंग्स पर इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली में छपा एक आर्टिकल देता है। इस आर्टिकल में कर्नल पुरोहित का यह प्लान था कि एक बार सभी मुस्लिम एक ब्लॉक के रूप में शाही इमाम बुखारी जैसे धार्मिक लीडर के नेतृत्व में इकट्ठा होते हैं तो अभिनव भारत हिंदुओं को अपने पीछे खड़ा करने की स्थिति में आ सकता है। साधारण शब्दों में कहूं तो हिंदुओं को डर दिखाया जाएगा कि मुस्लिम एक हैं एक लीडर के नीचे हैं, हिंदू खतरे में है, मुस्लिमों के खिलाफ हमें भी एकजुट होना चाहिए। इस तरह बहुसंख्यक हिंदू जो थोड़े कम चरमपंथी हिंदू संगठन आरएसएस, भाजपा से जुड़े हुए हैं, बजरंग दल से जुड़े हुए हैं या विश्व हिंदू परिषद से जुड़े हुए हैं उन संगठनों को छोड़ कर अभिनव भारत जैसे अति चरमपंथी संगठन में अपना नायक देखने लग जाएंगे। अभिनव भारत एक फैंटम आर्गनाइजेशन यानी प्रतिच्छाया की तरह छिपे हुए संगठन की तरह सामने आ जाएगा। इसीलिए इस सीक्रेट मीटिंग में कर्नल पुरोहित बार बार न्यूसेंस वैल्यू पर जोर दिया, यानी समाज में अराजकता फैलाना ताकि पूरे देश में अराजकता की स्थिति आ जाए।

मुस्लिमों के खिलाफ एक-एक बम ब्लास्ट करना और इसकी जिम्मेदारी अपने ऊपर नहीं लेना ताकि देश भर के मुस्लिम किसी एक नेता के नीचे आ जाएं, जिसे धार्मिक नेता और मुस्लिमों का नेता कहा जाए और हिंदुओं के खिलाफ वे उठ जाएं और हिंदू अभिनव भारत को अपना समर्थन देना शुरू कर दें और इस गृहयुद्ध की स्थिति में अभिनव भारत संगठन भारत की सत्ता पर काबिज हो जाए और संविधान बदल डाले।

महाराष्ट्र एटीएस ने 26 जनवरी 2008 को फरीदाबाद में हुई सीक्रेट मीटिंग के अलावा साल 2007 में नासिक में हुई एक सीक्रेट मीटिंग की ट्रांस्क्रिप्ट को भी अदालत में जमा करवाया है। जिस वक्त नासिक में यह मीटिंग हुई उस वक्त कर्नल पुरोहित नासिक में ही पोस्टेड थे और यहीं पर उन्होंने अभिनव भारत को आधिकारिक रूप से स्थापित किया था और उसे बढ़ाया था। इस बैठक में भी अल्पसंख्यकों पर बम से हमला करने और उनके अंदर डर पैदा करने की प्लानिंग पर चर्चा की गई थी।

इस मीटिंग में शंकराचार्य दयानंद पांडे और भाजपा से दो बार के सांसद बी एल प्रसाद शर्मा और मुंबई का रहने वाला अभिनव भारत का ही एक कार्यकर्ता भाई दलवी मौजूद थे। बैठक में भाई दलवी कहता है कि वे (मुस्लिम) त्योहारों पर नमाज पढ़ने के लिए इकट्ठा होते हैं, भारत में विस्फोट होने चाहिए, लाखों लोगों को मारा जाना चाहिए, हर जगह डर का माहौल बनाना चाहिए तभी ये सुधरेंगे। इस पर सुधाकर द्विवेदी कहता है कि जब प्रेशर क्रिएट होगा तो धर्मांतरण खुद ब खुद शुरू हो जाएगा। एक बार यह प्रक्रिया शुरू हो जाए तो पूरे देश को कन्वर्ट होने में देर नहीं लगेगी। इस पर भाजपा से सांसद रहे बीएल शर्मा कहते हैं कि ये हमारे पूर्वजों की तरह साहसी नहीं हैं जिन्होंने धर्मांतरण नहीं किया जो कन्वर्ट हुए हैं वे कायर हैं, वे डर की वजह से कन्वर्ट हुए और अब डर की वजह से वापस आएंगे।

कर्नल पुरोहित आरएसएस से भी खुश नहीं था और आएसएस को अभिनव भारत से रिप्लेस करना चाहता था लेकिन उसे आरएसएस के ही संगठन विश्व हिंदू परिषद और बजरंगदल अपनी ही विचारधारा के करीब लगते थे। कर्नल पुरोहित इस प्लान में भी था कि पहले विदेश में अराजकता फैला देंगे और इसके बाद इससे आकर्षित होकर विहिप के बहुत से कार्यकर्ता उनके पास आ जाएंगे।

यहां बहुत ही दिलचस्प बात इस नए हिंदू राष्ट्र के नए संविधान की। फरीदाबाद मीटिंग में कर्नल पुरोहित अभिनव भारत द्वारा बनाए गए नए संविधान के एक हिस्से को भी पढ़ता है। अभिनव भारत का संविधान भारत के नेताओं के बीच आपस में विचारों को आदान प्रदान करने की सुविधा देता है लेकिन नेताओं द्वारा एक बार निर्णय लिए जाने के बाद वह सबको मानना पड़ेगा, यानी उसमें जनता के विरोध के लिए कोई जगह नहीं बचती है। यानी जनता में से कोई भी अथॉरिटी से सवाल नहीं कर सकता। अभिनव भारत का संविधान कल्चरल डायवर्सिटी यानी सांस्कृतिक विविधता को समाप्त कर केवल एक ही संस्कृति की बात करता है, मतलब अभिनव भारत के संविधान में यानी हिंदू राष्ट्र में अलग अलग धर्मों के लिए कोई जगह नहीं है, अलग विचारधारा के लिए भी कोई जगह नही हैं। इस संविधान के अनुसार सिर्फ एक धर्म होगा वो होगा सनातन धर्म। अभिनव भारत का संविधान सिर्फ राष्ट्रपति शासन और एक पार्टी के शासन का प्रावधान करता है। देश में केवल एक पार्टी होगी और दुनिया के सभी हिंदू इस पार्टी के सदस्य होंगे। ड्राफ्टेड संविधान का सबसे महत्वपूर्ण प्रावधान यह था कि जो भी इस नए हिंदू राष्ट्र के बीच में आएगा या इसके लिए नुकसानदेह होगा उसकी हत्या कर दी जाएगी और उसे मार दिया जाएगा, यह बात कर्नल पुरोहित उस मीटिंग में संविधान में पढ़कर सुनाई थी। कर्नल पुरोहित ने इस मीटिंग संविधान

शेष पेज छह पर